सीखने के मानक

विषय : प्रथम भाषा हिन्दी

क्षेत्र - सुनना

सामर्थ्य : कविता, गद्य-पाठ, कहानी, एकांकी आदि पाठों का अर्थ-ग्रहण

चौथी कक्षा

- गीतों और कविताओं को श्रद्धा से सुनना ।
- गीतों और कविताओं का आशय समझना ।
- गद्य-पाठों, कहानियों एवं एकांकियों को सुनना ।
- गद्य-पाठों के पात्रों के नामों को जानना ।
- एकांकियों के संवादों को सुनना ।

सामर्थ्य : पाठों के नये शब्दों की जानकारी

- गीतों और कविताओं के शब्दों का सामान्य ज्ञान ।
- विरुद्धार्थक शब्दों की जानकारी ।
- संस्कृत और उर्दू शब्दों का प्रयोग कैसे होता है? इसकी जानकारी ।

सामर्थ्य : मुहावरों और कहावतों का प्रयोग ।

- मुहावरों और कहावतों का अर्थ जानना ।
- दोनों का अंतर समझना ।
- सुभाषित अथवा सूक्ति का अर्थ जानना ।
- सुभाषित अथवा सूक्ति और कहावतों का अंतर जानना ।

पाँचवीं कक्षा

- गीतों और कविताओं को श्रद्धा के साथ समझना ।
- गीतों और कविताओं का सार जानना ।
- गद्य पाठों, कहानियों एवं एकांकियों का सार जानना ।
- गद्य पाठों के पात्रों के नामों, उद्देश्य की जानकारी पाना ।
- एकांकियों के संवादों को सुनकर, उनका अर्थ समझना ।

सामर्थ्य : पाठों के नये शब्दों की जानकारी

- गीतों और कविताओं के शब्दों का अर्थ जानना, समानार्थक शब्दों की जानकारी पाना।
- विरुद्धार्थक शब्दों के निर्माण की जानकारी ।
- देशी, और विदेशी शब्दों का प्रयोग कब होता है? कैसे होता है? क्यों होता है? इसकी जानकारी ।

सामर्थ्य : मुहावरों और कहावतों का प्रयोग ।

- मुहावरों और कहावतों का प्रयोग जानना ।
- दोनों का अंतर समझकर प्रयोग करना ।
- सुभाषित अथवा सूक्ति का अर्थ जानकर प्रयोग करना ।
- सुभाषितों और सूक्तियों का महत्व जानकर जब-तब प्रयोग करना ।

सीखने के मानक

विषय : प्रथम भाषा हिन्दी

क्षेत्र - बोलना

सामर्थ्य : कविता, गद्य - पाठ, कहानी, एकांकी आदि पाठों का बोलना

चौथी कक्षा

- गीतों और कविताओं को सही उच्चारण के साथ कहना ।
- गीतों और कविताओं का आशय समझकर उनका अर्थ कह सकना ।
- गद्य - पाठों, कहानियों, एकांकियों का अर्थ समझकर, कह पाना ।
- गद्य - पाठों और कहानियों के पात्रों का विवरण बताना ।
- एकांकी का अर्थ कह पाना ।

सामर्थ्य : पाठों के नये शब्दों की विशेषता जानना ।

- गीतों और कविताओं के नये शब्दों के समानार्थक, विरोधवाची शब्दों को जानना।

सामर्थ्य : मुहावरों और कहावतों का प्रयोग करना ।

- मुहावरों और कहावतों को सीखना ।
- सुभाषितों को कंठस्थ करना ।

पाँचवीं कक्षा

- गीतों और कविताओं को सही उच्चारण के साथ कहना और समझना ।
- गीतों और कविताओं का सार बताना ।
- गद्य - पाठों, कहानियों, एकांकियों का सारांश बताना ।
- गद्य - पाठों और कहानियों के पात्रों का स्वभाव, चरित्र-चित्रण जानना ।
- एकांकी और नाटक का अंतर समझना ।

सामर्थ्य : पाठों के नये शब्दों की विशेषता जानना ।

- गीतों और कविताओं के नये शब्दों के समानार्थक, विरोधवाची शब्दों के निर्माण की जानकारी पाना ।

सामर्थ्य : मुहावरों और कहावतों का प्रयोग करना ।

- मुहावरों और कहावतों को सीखकर उनकी विशेषताओं को जानना ।
- सुभाषितों का अर्थ समझना ।

सीखने के मानक

विषय : प्रथम भाषा हिन्दी

क्षेत्र - पढ़ना

सामर्थ्य : कविता, गद्य - पाठ, कहानी, एकांकी पढ़ पाना

चौथी कक्षा

- कविताओं को गति-लय के साथ पढ़ना ।
- कविताओं को पढ़ते हुए अर्थ जानने का प्रयत्न करना ।
- गद्य-पाठों को गौर से पढ़ना ।
- कहानी को जल्दी-जल्दी पढ़ना ।
- एकांकी के शीर्षक की विशेषता जानना ।
- शब्दों का सही उच्चारण करते हुए पढ़ना ।
- सभी पाठों को शीघ्र रूप से पढ़ना ।

पाँचवीं कक्षा

- कविताओं को सस्वर पढ़ना ।
- कविताओं का अर्थ और उद्देश्य समझते हुए पढ़ना ।
- अर्थ समझते हुए सचेत होकर पढ़ना ।
- कहानी के उद्देश्य और पात्रों का स्वभाव जानने की ओर बढ़ना ।
- एकांकी के शीर्षक की सार्थकता समझने की दिशा में पढ़ना ।
- संस्कृत और उर्दू शब्दों का सही उच्चारण करना ।
- सभी पाठों को शीघ्र रूप से पढ़ना।
  ध्यान रहे कि उन्हें समझ भी लें ।

सीखने के मानक

विषय : प्रथम भाषा हिन्दी

क्षेत्र - लिखना

सामर्थ्य : पाठों को समझकर सवालों का जवाब देना ।

चौथी कक्षा

- किसी भी कविता, गद्य - पाठ अथवा कहानी - एकांकी के कुछ शब्दों का श्रुतलेखन कर पाना ।
- कविताओं का भावार्थ लिखना ।
- प्रश्नों का जवाब लिख सकना ।
- मुहावरों और कहावतों का संग्रह करके लिखना ।
- सुंदर लिखावट का अभ्यास करना ।

पाँचवीं कक्षा

- श्रुतलेखन करते समय गल्तियाँ नही करना ।
  साथ ही पाठों का अर्थ भी समझ लेना।
- कविताओं का सार और भावार्थ निर्दोष लिखना ।
- सवालों का जवाब निर्दोष लिखना ।
- मुहावरों और कहावतों को पाठों से ही नहीं बल्कि कोशों से भी लेकर लिखना ।
- सुंदर लिखावट का अभ्यास करना ।

चौथी और पाँचवी कक्षा के विद्यार्थियों के लिए जीवन - मूल्य ।

- विद्यार्थियों के बीच आपस में स्नेह ।
- दीन - दलितों के प्रति प्रेम ।
- विकलांगों के साथ प्रेम के साथ व्यवहार ।
- पुस्तक - प्रेम ।
- बड़ों के आदेशों का पालन ।
- पाठशाला की दीवारों, फर्नीचर की स्वच्छता की रक्षा ।
- स्कूल के परिसर की स्वच्छता ।
- गन्दी बातों का प्रयोग नहीं करना ।
- सहपाठियों के प्रति सद्भावना ।
- लड़कियों के प्रति स्नेह और आदर ।